प्रवाह

—canaava ivaSaYaalk

पिलानी - मंगलवार - 25 अगस्त 2009

बिट्स पिलानी

सिंहासन का फाइनल

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार

सुधीर बाबू

संकाय : विज्ञान निष्णात (M.Sc.) इन्फोर्मेशन सिस्टम्स

पता: 169, बुद्ध भवन

पैतृक स्थान: तादेपल्लिगुदेम(आंध्र प्रदेश)

सामाजिक जीवन:

1) हॉस्टल प्रतिनिधि (व्यास भवन)

2) बिट्सा अग्रणी – लेट्स प्रोमोट बिट्स पिलानी

प्रवेंद्र सिंह महला

संकाय: बी.ई. सिविल इंजीनियरिंग

पता:102, राम भवन

पैतृक स्थान: जयपुर (राजस्थान)

सामाजिक जीवन:

1) छात्र संघ के स्वयंसेवक

2) हॉस्टल प्रतिनिधि (शंकर भवन)

महासचिव पद के उम्मीदवार

राघव मिमानी

संकाय : बी.ई. केमिकल इंजीनियरिंग

पता : 125, बुद्ध भवन

पैतृक स्थान: इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)

अभी तक का बिट्सियन सफ़र :

1) सचिव - स्पिकमैके

2) सदस्य - सी.ई.एल. और वॉलस्ट्रीट क्लब

3) मेस प्रतिनिधि - शंकर-व्यास मेस

4) बिट्सा अग्रणी

आलोक सोनी

संकाय : विज्ञान निष्णात (M.Sc) केमिस्ट्री व बी.ई. सिविल

पता : 217, कृष्णा भवन

पैतृक स्थान : कटनी (मध्य प्रदेश)

अभी तक का बिट्सियन सफ़र :

1) सचिव - हिन्दी प्रेस क्लब

2) स्वास्थ्य समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस)

3) समुदाय आउटरीच समन्वयक – एड पिलानी

4) सदस्य - वॉलस्ट्रीट और फोटोग्राफी क्लब

अपूर्व प्रकाश सिंह

संकाय : विज्ञान निष्णात (M.Sc.) एकोनॉमिक्स

पता : 251, कृष्णा भवन

पैतृक स्थान : गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)

अभी तक का बिट्सियन सफ़र :

1) स्पीड मैथेमैटिक्स के सूत्रधार

2) कैपिटॉल के सदस्य

दवेंदर कुमार पुनिया

संकाय : बी.ई. केमिकल इंजीनियरिंग

पता : 178, बुद्ध भवन

पैतृक स्थान : हरियाणा

अभी तक का बिट्सियन सफ़र :

1) सदस्य – पेप

2) हरियाणा सांस्कृतिक संघ के सदस्य

मेरे कार्य एवं दृष्टिकोण मुझे बेहतर प्रत्याशी बनाते हैं - सुधीर बाबू

प्रश्न – आपको चुनाव में खड़े होने की प्रेरणा कहाँ से मिली? आप किन मायनों में अपने आपको अपने प्रतिद्वंदी से बेहतर मानते हैं ?

उत्तर – मैं बिट्स की जनता के लिए कार्य करने एवं प्रतिनिधित्व करने का इच्छुक हूँ | पिछले २ वर्षों के दौरान संघ की गतिविधिओं को काफी करीब से देखने का मौका मिला है | पिछले वर्ष मैंने प्रेज़ व जेन-सेक के साथ मिलकर कई कार्यशालाओं का आयोजन भी किया है | मुझे लगता है कि मेरा घोषणा पत्र ही यह दर्शाता है कि मैं एक बेहतर प्रत्याशी क्यों हूँ |

प्रश्न – आप और आपके प्रतिद्वंदी पिछले वर्ष SU में एक साथ काम कर चुके हैं, आप उन के बारे में क्या कहना चाहेंगे?

उत्तर – महेला और मैं संघ में साथ काम करने के कारण अच्छे मित्र हैं | हमारे बीच कोई निजी मतभेद नहीं है | चुनाव में एक दूसरे का प्रतिद्वंदी होना हमारी प्राथमिकताओं और रुचियों में भिन्नता के कारण है | यह संघर्ष सिर्फ प्रतिनिधित्व तक सीमित है |

प्रश्न – इससे पहले आपको प्रतिनिधित्व में क्या अनुभव रहा है?

उत्तर – मुझे बचपन से ही प्रतिनिधित्व करने में रूचि रही है | मैं अपने स्कूल में भी हाउस लीडर और ग्रुप लीडर रह चुका हूँ | बिट्स में आने के बाद भी हॉस्टल प्रतिनिधि और बिट्सा लीडर के रूप में काम कर चूका हूँ | मैंने आज तक कोई भी चुनाव नहीं हारा है |

प्रश्न – छात्रसंघ की कार्यप्रणाली में आप क्या सुधार लाना चाहेंगे ?

उत्तर – मैं छात्रसंघ की कार्यप्रणाली में ज्यादा पारदर्शिता लाना चाहूँगा जिससे भविष्य में कोई भ्रष्टाचार की आशंका न रह जाये |

प्रश्न – अपने घोषणा-पत्र के घुड़सवारी के बिंदु के बारे में बताएं | इस पर कितना काम हो चुका है?

उत्तर – हम 11 घोड़ों के साथ इसकी शुरुआत करने की सोच रहे हैं | अभी इसके लिए जगह पर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है | छात्रों के रुझान पर निर्भर है कि परिसर से बाहर पिलानी में पहले से स्थित घुड़सवारी के लिए मैदान का इस्तमाल होगा या फिर अस्तबल और मैदान के लिए आई.सी. के पीछे की जमीन पर भी विचार किया जा रहा है |

प्रश्न – आपके घोषणा-पत्र के "वैश्वीकरण" के बिंदु पर कुछ प्रकाश डालें |

उत्तर – यह कदम बिट्स को सामाजिक क्षेत्र में एक ब्रांड के रूप में बढ़ावा देने के लिए है | जिस के लिए हम विभिन्न गैर सरकारी संगठनों और विश्वविद्यालयों को एक साथ मिलाकर सामाजिक उत्थान और विकास के कार्यों को जोड़ेंगे और इससे जुड़े सभी कार्यक्रमों का आयोजन बिट्स द्वारा किया जायेगा | इसके लिए हम राष्ट्रीय सामाजिक उद्यमिता फोरम (एन.एस.ई.ऍफ़) से बात भी कर चुके हैं |

प्रश्न – आपने अपने घोषणापत्र में हवाई टिकट में छूट की बात कही है | कितनी छूट की उम्मीद की जा सकती है?

उत्तर – यह छूट बिट्सियन्स को "कंपनी लाभ सौदा" के अंतर्गत कराया जायेगा | यह छूट विद्यार्थियों की संख्या पर निर्भर करेगी | अगर 600 से ज्यादा की संख्या हो, तो हमें सामान्य से काफी ज्यादा छूट मिल सकती है | इसके लिए हमारी स्पाइसजेट, इंडिगो, किन्गफिशर से बात चल रही है |

प्रश्न – यदि आप चुनाव हार जाते हैं तो आप अपने द्वारा शुरू किये गए कार्यों को आगे कैसे लें जायेंगे ?

उत्तर – मेरे चुनाव लड़ने का मुख्य कारण बिट्सियन जनता के लिए कार्य करना है | चुनाव हारने की स्थिति में भी मैं निर्वाचित प्रेजिडेंट को अपना पूर्ण सहयोग दूंगा और यदि वे चाहें तो उनके साथ काम करना के लिए भी तैयार रहूँगा |

- सुगंधा

मैं जनता को ज्यादा से ज्यादा SU के काम में शामिल करना चाहूँगा - महला

प्रश्न – आपको चुनाव में खड़े होने की प्रेरणा कहाँ से मिली?

उत्तर – मैं पिछले साल शंकर भवन का एच-रेप था और प्रेज़ के साथ ओएसिस और अपोजी में काम किया था | मैंने अपोजी वर्कशॉप में भी काम किया था | इस दौरान मेरे अन्दर नेतृत्व क्षमता का विकास हुआ | मेरे दोस्तों ने भी मुझे काफी प्रोत्साहित किया |

प्रश्न – पिछले साल के प्रेज़ से आपको क्या प्रेरणा मिली? आप किन मायनों में अपने आपको उनसे ऊपर आंकेंगे?

उत्तर – विजय शर्मा ने ओएसिस और अपोजी में बहुत अच्छा काम किया | यहाँ तक कि अपोजी को आई.एस.ओ प्रमाणपत्र मिला | मैं अपनी तुलना किसी से नहीं करना चाहूँगा मगर मुझे लगता है कि मैं जनता से जुड़ा हुआ हूँ |

प्रश्न – पिछले साल कुछ वादे नहीं पूरे हो पाए, आपकी टिप्पणी?

उत्तर– आप किसी एक व्यक्ति पर सवाल नहीं उठा सकते हैं | बहुत बार परिस्थितियां रूकावट बन जाती हैं |

प्रश्न – आपको चुनाव में अपनी जीत पर कितना विश्वास है? अगर है तो किस बात पर आपकी ये धारणा है?

उत्तर – मुझे खुद पर पूरा विश्वास है | मुझे अपने घोषणापत्र अंक पर भरोसा है और मैं जनता से जुड़ा हुआ हूँ | मैं जनता को और सशक्त करना चाहूँगा. और छात्रसंघ के काम में और पारदर्शिता लाना चाहूँगा |

प्रश्न – अपने फ़ूड कोर्ट के बिंदु पर प्रकाश डालें ?

उत्तर – हमने एक इन्वेस्टर से बात की है और उसे यहाँ के 4000 के संभावित मार्केट से अवगत कराया है | वो यहाँ पैसे लगाने के लिए तैयार है | जहाँ तक मूल्य विनियमन की बात है सारे प्रोडक्ट्स ब्रांडेड हैं जिनका मूल्य सारे देश में एक है |

प्रश्न – जाड़े के समय धुंध के कारण ट्रेन्स देरी से चलती हैं | स्टेशन से लौटती बस की समय सारणी कैसे निर्धारित करेंगे ?

उत्तर – मैं इन्टरनेट के ज़रिये बस के स्लॉट्स डाल दूंगा | छात्रों की बुकिंग के हिसाब से बस जायेंगी |

प्रश्न – गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए जो आपने बात उठायी है उसकी फंडिंग कहाँ से होगी?

उत्तर – हमने सरकारी कर्मचारियों से बात की है. उसके अलावा राष्ट्रीय सेवा योजना की मदद ली जायेगी |

प्रश्न – आप उच्च डिग्री छात्रों को कैसे शामिल करने के बारे में सोचते हैं ?

उत्तर – उच्च डिग्री छात्रों के पास अनुभव होता है और ज्यादा तकनीकी ज्ञान होता है जो हमारे काम आ सकता है | ये उन्हें बिट्स की मुख्यधारा से जोड़ने की एक कोशिश है |

प्रश्न – अगर आप चुनाव हार जाते हैं तो आप क्या करेंगे?

उत्तर – मैं अपनी हार स्वीकारते हुए जीतनेवाले उम्मीद्वार को पूरा सहयोग दूंगा | मेरी ये कोशिश रहेगी की मेरे घोषणापत्र के बिन्दुओं को अमल में लाया जाए |

– शाश्वत ,विकल्प

मैं जमीनी वास्तविकता से जुड़ा हुआ व्यक्ति हूँ - राघव

प्रश्न – आपको चुनाव में खड़े होने की प्रेरणा कहाँ से मिली ? आप किन मायनों में अपने आपको अपने प्रतिद्वंदी से बेहतर मानते हैं ?

उत्तर – मैं कॉलेज के पहले दो वर्षों में राजनीति में सक्रिय नहीं रहा | एक आम बिट्सियन की तरह मुझे भी कई प्रश्नों का सामना करना पड़ा | तब मुझे एहसास हुआ कि चुनाव मेरे लिए एक माध्यम है उन सवालों के उत्तर खोजने और आम सभा के सदस्य (जी.बी.एम) के लिए काम करने का | मैं जमीनी वास्तविकता से जुड़ा हुआ व्यक्ति हूँ तथा अपने पुराने मेस प्रतिनिधि और नेतृत्व के अनुभव के आधार पर मुझे लगता है कि मैं अपने साथी प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर हूँ |

प्रश्न – नए ए.टी.एम. का ख़याल कैसे आया और उसके लिए क्या सोचा है?

उत्तर – मुझे लगता है कि शंकर, व्यास और मीरा भवन के लोगों के लिए ए.टी.एम. का इतना दूर होना बहुत परेशानी का विषय है| मेरा विचार है कि नए ए.टी.एम. को कनॉट, अक्षय या फिर पुराने स्टूडेंट यूनियन ब्लाक के पास लगाया जाये |

प्रश्न – इससे पहले आपको प्रतिनिधित्व का क्या अनुभव रहा है?

उत्तर – मैं पिछले वर्ष सी.ई.एल द्वारा आयोजित किये गए एप्सिलन का समन्वयक था और अभी स्पिकमैके में सचिव के पद पर हूँ| साथ ही मेस-रेप बनने के बाद दो महीनों में भी मैंने काफी बदलाव लाये थे | मैं व्यापारिक नेतृत्व के ऊपर अर्जेंटीना में आयोजित सम्मलेन तथा मानव अधिकार के ऊपर जर्मनी में आयोजित सम्मलेन में भाग लेने के लिए चयनित हो चुका हूँ |

प्रश्न – आपको नहीं लगता की ए.टी.एम.और स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम को शुरू होने में एक साल से ज्यादा वक़्त लगेगा? क्या यह वादा सिर्फ आम सभा के सदस्य को लुभाने के लिए है?

उत्तर – ए.टी.एम. के लिए चार चीजों की आवश्यकता होती है– बैंक की अनुमति, छात्रों की मांग, सुरक्षा और संस्थान की अनुमति |
मैंने इस सिलसिले में एस.बी.बी.जे, पिलानी के मेनेजर, एस.बी.आई. के मैनेजर और एन.वी.एम सर से पहले से ही बात कर ली है और ये सभी लोग इसके प्रति बहुत आशावादी हैं| स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए भी मैंने आई.आर.यू चीफ सुमन कपूर मैडम से बात की है| मेरी पूरी कोशिश रहेगी कि मैं इन वादों को अपने कार्यकाल में ही पूरा करूँ |

प्रश्न – आपने अपने घोषणा पत्र में कीटनाशक का छिड़काव करवाने की बात कही है | आपको नहीं लगता कि यह प्रदूषण के लिए आमंत्रण है? आपके अनुसार क्या बेहतर है–कीड़े-मकोड़े या प्रदूषण?

उत्तर – यू.जी.सी. के नियमों के अनुसार हम ज़हरीले कीटनाशक का प्रयोग नहीं कर सकते | इसलिए मैंने गंध आधारित कीटनाशकों के प्रयोग करने का सोचा है | ये कीटनाशक पूर्णतः प्राकृतिक और हर्बल होंगे|

प्रश्न – हम काफी दिनों से सुन रहे थे की आप प्रेजिडेंट पद के लिए खड़े होने वाले हैं | फिर ऐसा क्या हुआ कि आपने आखिरी वक़्त पर जेन-सेक के लिए लड़ने का फैसला किया?

उत्तर – हाँ, ये सही है, पर मुझे इन दोनों पदों में कुछ ख़ास फर्क नज़र नहीं आता| इसके अलावा मुझे इस पद के लिए अपने जीतने की संभावनाएं अधिक नज़र आती हैं|

प्रश्न – यदि आप हार जाते हैं, तो आप आगे क्या करेंगे?

उत्तर – चुनाव के अगले ही दिन मेरी परीक्षा है और उसकी तैयारी के बाद एक नई शुरुआत होगी | यदि विजयी उम्मीदवार मेरे घोषणापत्र के किसी बिंदु पर काम करना चाहेंगे तो मैं हरसंभव सहायता करूँगा|

– अर्पिता

उच्च पद पर रहकर कार्य करने के लिए सबसे जरुरी हैं नैतिक मूल्य और सही नीतियाँ - आलोक

प्रश्न – आपको चुनाव में खड़े होने की प्रेरणा कहाँ से मिली ? आप किन मायनों में अपने आपको अपने प्रतिद्वंदी से बेहतर मानते हैं ?
उत्तर – मैं अपने काम के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूँ और मुझे अपनी काबिलियत पर पूरा भरोसा है| मैं एन.एस.एस, हिंदी प्रेस क्लब, फोटोग्राफी क्लब, वॉलस्ट्रीट क्लब और एड पिलानी का एक सक्रिय सदस्य हूँ| मैंने एन.एस.एस. में रहकर समाज को और करीब से जाना है और मैं उसके सुधार के लिए पूर्णतः कर्त्तव्यबद्ध हूँ|

प्रश्न – आपने जेन-सेक पद के लिए खड़े होने का निश्चय क्यों किया ?
उत्तर – पिछले जेन-सेक रवि तेजा मेरे प्रेरणा स्त्रोत हैं| उनसे मुझे काफी कुछ सीखने को मिला, जैसे जेनसेक जैसे महत्त्वपूर्ण पद पर रहकर कार्य करने के लिए सबसे जरुरी हैं नैतिक मूल्य और सही नीतियां| मैंने जेनसेक पद के लिए खड़े होने का निश्चय द्वितीय वर्ष में ही कर लिया था|

प्रश्न – अपने घोषणा पत्र में किये गए वादों के बारे में कुछ बताईये ?
उत्तर – मैंने लिप्टन से बात करके बिट्स में चाय कॉफी वेंडिंग मशीनें लगवाने की योजना बनाई है| साथ ही एक बैटरी चलित वाहन की बिट्स में लाने की योजना है जिसमें 14 सीटें होंगी| मीरा भवन में नाईट कैंटीन और मिनी आई.पी.सी. का प्रस्ताव भी है| और मैंने BITS में एक ऑनलाइन फोरम एवं रेपोसिटोरी शुरू करने कि योजना भी बनाई है|

प्रश्न– कई लोगों का मानना है कि बिट्स में पहले से ही बिट्सफॉस मौजूद है, फिर एक नई ऑनलाइन रेपोसिटोरी की ज़रुरत क्यों ?
उत्तर – मैं अपने रेपोसिटोरी में एंटीवाइरस, सॉफ्टवेयर अपडेट्स और पाठ्यक्रम आधारित एम.आई.टी. ओपन कोर्स वेयर से वीडियो लेक्चर्स डालूँगा जिनकी संख्या बिट्सफॉस में मात्र 10 है| ऑनलाइन फोरम में एक डाटाबेस होगा, जिसमें छात्रों की निजी किताबों के संग्रह की जानकारी होगी तथा इसके द्वारा छात्र किताबों की खरीद-बेच कर सकते हैं|

प्रश्न – चयन होने की स्थिति में बैटरी संचालिलित कार्ट कितने दिनों में परिसर में चलेगी| आपको नहीं लगता, इसके रखरखाव में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है ?
उत्तर – मेरे चयनित होने के बाद यह कार्ट लगभग 10 हफ्तों में परिसर में देखा जा सकता है| शुरुआत में ऐसा 1 ही वाहन चलाया जायेगा जिसकी संख्या को बढ़ाने के लिए आयोजकों के लिए प्रयासरत रहेंगे| जहाँ तक इसके रखरखाव का सवाल है, मैनी मैटेरिअल्स मूवमेंट कंपनी के जयपुर डीलर इसकी देखरेख व संचालन करेंगे|

प्रश्न – आपकी टीम की प्रेरणा श्रोत क्या है ?
उत्तर – मेरे टीम के सभी सदस्य एक ही विचारधारा एवं दृष्टिकोण के पथ पे चल रहे हैं| इस कारण से सभी आत्मप्रेरित रहते हैं तथा ये विचार ही इन्हें दिशा प्रदान करते हैं|

प्रश्न – अगर हार जाते हैं तो आप आगे क्या करेंगे ?
उत्तर – मैं अपने प्रस्तावों को फिर भी यूनियन के सामने रखूँगा और हो सका तो उन्हें पूरा कराने का प्रयास करूँगा| इसके अलावा पिछले दो वर्षों की भांति ही अपने अन्य जिम्मेदारियों का पालन करता रहूँगा|

- निमिष , स्वाति

अगर प्रजातंत्र का अक्षरशः पालन हुआ तो मैं हीं जीतूँगा - दवेंदर पुनिया

प्रश्न – आपको चुनाव में खड़े होने की प्रेरणा कहाँ से मिली?

उत्तर – जब मुझे खुद कुछ दिक्कतें महसूस हुई तो मुझे लगा कि मुझे कुछ करना चाहिए | मुझे लगता है कि यहाँ के प्रणाली में कुछ सुधार की जरुरत है इसलिए मैंने जनरल सेक्रेटरी के पद के लिए खड़ा होने का निर्णय लिया |

प्रश्न – ऐसा सुनने में आया था कि आप प्रेज़ के लिए खड़े हो रहे हैं | फिर अचानक ये महासचिव के लिए खड़े होने का मन कैसे बना लिया ?

उत्तर – मैंने जेन-सेक के लिए खड़े होने का मन इसलिए बनाया क्योंकि मुझे बिट्स की जनता के लिए कुछ करना है | मुझे किसी ने जेन-सेक के पद के लिए खड़े होने का दबाव नहीं डाला है | यह मेरा और सहयोगी मित्रों का सोच-विचार कर लिया गया निर्णय है |

प्रश्न – आपने अपने घोषणा– पत्र में इ-गवर्नेंस सेंटर की बात की है | ये क्या है और इससे बिट्सियंस को क्या फायदा होगा ?

उत्तर – इ-गवर्नेंस सेंटर अलग-अलग क्षेत्रों में आईटी के इस्तेमाल को बढ़ावा देगा | इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा की इसके तहत बिट्सियंस को प्रोजेक्ट्स मिलेंगे | ये इ-गवर्नेंस सेंटर भारत के विभिन् कालेजों में खोले जा रहे हैं और बिट्स इन सभी का मुख्य केन्द्र होगा |

प्रश्न – इसके लिए आपने किस स्तर पर तैयारियां की हैं?

उत्तर – इसके लिए मैंने एस.पी.जी.ई.(सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ़ इ-गवर्नेंस)से बात कर ली है जो यू.एन. और वर्ल्ड बैंक जैसी संस्थाओं के साथ काम करती है | मैंने सन माइक्रो सिस्टम्स से भी बात की है पर उनसे अभी बातचीत चल रही है |

प्रश्न – आपने फॉरेन इंटर्नशिप की भी बात कही है | इसके लिए आपने क्या तैयारियां की हैं ?

उत्तर – इसके लिए मैंने ऐ.आई.ई.एस.ई.सी. और आई.ऐ.ई.एस.टी.ई. नामक दो अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से बात की है जो यहाँ एक छात्र अध्याय खोलने के लिए तैयार हैं | ये अध्याय मूलतः प्रथम और तृतीय वर्ष को इंटर्नशिप दिलवाने के लिए होगा | उनसे भी काफी हद तक बात पूरी हो चुकी है |

प्रश्न – आप ई.सी. के काम करने के तरीके के बारे में कुछ कहना चाहेंगे ?

उत्तर – मुझे लगता है ई.सी. को अपने काम करने के तरीके में कुछ पारदर्शिता लानी चाहिए | कई बार ई.सी. द्वारा उठाये गए क़दमों का कोई ठोस कारण नहीं दिखता है इसलिए कुछ पारदर्शिता तो ज़रूरी है |

प्रश्न – अगर आप हार जाते हैं तो आपका अगला कदम क्या होगा ?

उत्तर – अगर मैं हार जाता हूँ तो पहले मैं अपने घोषणा-पत्र में दिए गए काम करने की कोशिश करूँगा और यदि मैं सफल न हुआ तो जो भी व्यक्ति विजयी होगा उसके साथ काम करने की कोशिश करूँगा |

प्रश्न – आपको क्यों लगता है इस बार आप विजयी होंगे?

उत्तर – मुझे लगता है कि मैं लोगो से ज्यादा आसानी से जुड़ सकता हूँ | मैं घोषणा-पत्र में किये गए हर-एक वादे को पूरी तरह निभाऊंगा | अगर प्रजातंत्र का नियमपूर्वक पालन हुआ तो मैं ही जीतूँगा |

–सुरभि

मैं चाँद तारे का वादा नहीं करता पर ज़मीन की बात करता हूँ - अपूर्व

प्रश्न – आपको चुनाव में खड़े होने की प्रेरणा कहाँ से मिली?

उत्तर – कॉलेज के लिए काम करने की इच्छा बहुत पहले से थी | इसके अलावा भी मैं दूसरी गतिविधियों से जुड़ा हुआ था जैसे की एड इंडिया की सहायता से वाटर मैनेजमेंट के क्षेत्र में पिछले साल से जुड़ा हुआ था | एड इंडिय से संपर्क में हूँ और वाटर मैनेजमेंट के विषय में वो हमारी सहायता करने को तैयार हैं|

प्रश्न – पिछले साल किये गए वादों में से बहुत से अधूरे रह गए थे, इस बारे में आप क्या कहना चाहेंगे ?

उत्तर – मेरे घोषणापत्र में जो भी बातें हैं वो सभी ज़मीन से जुडी हुई हैं जिन्हें हम लागू कर सकते हैं| सरल और सादा घोषणापत्र है| मैं चाँद तारे का वादा नहीं करता पर ज़मीन की बात करता हूँ |

प्रश्न – आप पहले प्रेजिडेंट के पद के लिए चुनाव लड़ना चाहते थे?

उत्तर – हाँ मैं प्रेजिडेंट के पद के लिए चुनाव लड़ना चाहता था पर मेरा मानना है की जेन-सेक और प्रेजिडेंट के कार्य और अधिकार में ज्यादा अंतर नहीं है और इसलिए मैं जेन-सेक के पद के लिए खड़ा हुआ हूँ|

प्रश्न – अपनी जीरो वेस्ट मैनेजमेंट व्यवस्था के विषय में विस्तार से बताइए|

उत्तर – जीरो वेस्ट मैनेजमेंट व्यवस्था की प्रेरणा मुझे वी.आई.टी. से मिली है जिनके यहाँ इस तरह की व्यवस्था है| इस हेतु वहीं के श्री निवासन जी से बात भी की है और वे हमारा मार्गदर्शन करने के लिए तैयार हैं| इसके अलावा मैंने एडमिनिस्ट्रेशन लेवल पर नटराजन सर से बात भी की है और उन्होंने आश्वासन दिलाया है की वे इसमें सहायता करने को तैयार हैं| सबसे पहले एक सर्वे किया जाएगा और उसके अनुसार खर्चों के विषय में तस्वीर साफ़ होगी |

प्रश्न – आपका एक मेनिफेस्टो पॉइंट है की आप फ्रेशर्स नाईट आयोजित करना चाहते हैं, हमारे पाठक जानना चाहेंगे की आप कब इसे करेंगे ?

उत्तर – फ्रेशर्स नाइट सी लॉन में आयोजित होगी जिसमें बहुत सारे इवेंट्स होंगे | दूसरे कॉलेज में भी यह होता है पर अपने यहाँ नहीं होता |

प्रश्न – इलेक्शन कमीशन ने एक दिन के लिए आपको चुनाव प्रचार से प्रतिबंधित कर दिया था | इस बारे में आप क्या कहना चाहेंगे ?

उत्तर – दरअसल बात सिर्फ इतनी सी थी कि मेरे कुछ दोस्त कुछ पुराने बिट्स के छात्रों से मिल भर रहे थे | बाकी और मैं कुछ नहीं कह सकता |

प्रश्न – आपके मेनिफेस्टो के अनुसार ब्रांडेड कम्पनियाँ अपने उत्पाद 40% डिस्काऊंट तक बेचेंगे, इसके लिए आपने किन से बात की है और इस तरह की ब्रांडेड कम्पनियाँ अपने उत्पाद कम दाम पर क्यों बेचेंगे?

उत्तर – ब्रांडेड कंपनी साल में दो बार कम दामों पर अपने उत्पाद बेचती है | उसी के अंतर्गत हर सेमेस्टर में एक बार ये कंपनियाँ यहाँ आएँगी | बिट्स में बड़े शहर के बहुत से लोग हैं इसके अलावा छोटे शहर के लोग भी हैं जिनके यहाँ ये ब्रांड नहीं है उन लोगों के लिए ये निश्चित रूप से फायदेमंद रहेगा |

प्रश्न – जनता आपको क्यों चुने ?

उत्तर – पब्लिक मुझे वोट करे क्यूंकि मैं इलेक्ट होने पर जी जान लगाकर काम करूँगा | मेरे पास बिट्स के लिए विज़न है| मैं अपने कॉलेज को और ऊंचाई तक ले जाना चाहता हूँ और मैं उसी के अनुसार जनता की सेवा करूँगा |

- रोहन

बिट्स विजन 2020 मिशन 2012

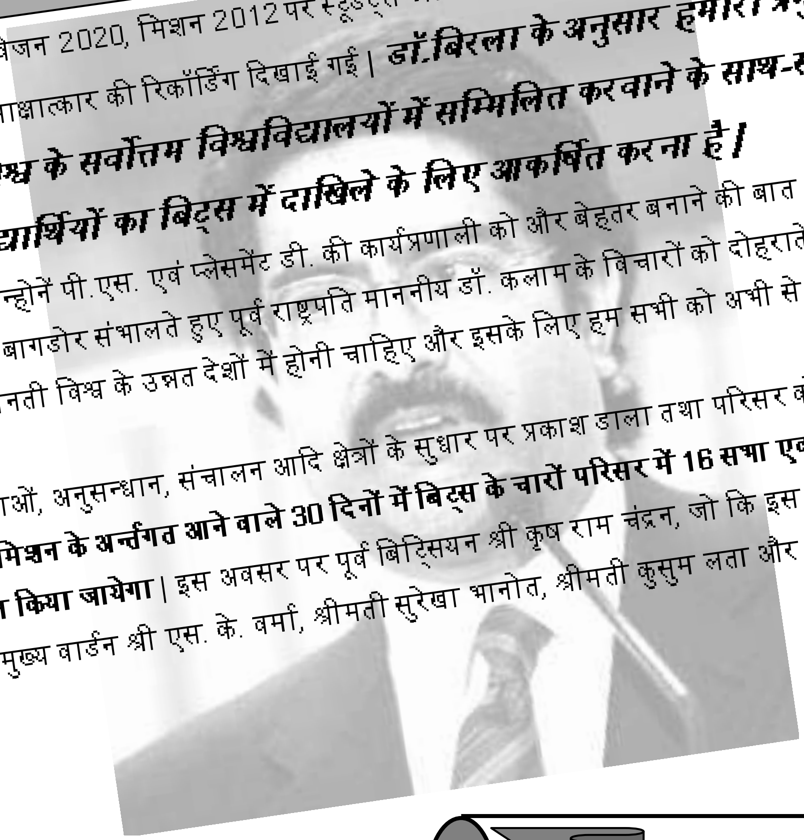

12 एवं 13 अगस्त को ऑडी में विजन 2020, मिशन 2012 पर स्टूडेंट्स टाऊन हॉल सभा का आयोजन किया गया | शुरुआत में डॉ. के. एम. बिरला के साथ साक्षात्कार की रिकॉर्डिंग दिखाई गई | ***डॉ.बिरला के अनुसार हमारा प्रमुख उद्देश्य बिट्स को 2020 तक विश्व के सर्वोत्तम विश्वविद्यालयों में सम्मिलित करवाने के साथ-साथ दुनिया भर से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का बिट्स में दाखिले के लिए आकर्षित करना है |*** इस मिशन की सफलता हेतु उन्होनें पी.एस. एवं प्लेसमेंट डी. की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने की बात कही | तत्पश्चात प्रोफ़ेसर रघुरामा ने सभा की बागडोर संभालते हुए पूर्व राष्ट्रपति माननीय डॉ. कलाम के विचारों को दोहराते हुए कहा कि सन् 2020 तक भारत की गिनती विश्व के उन्नत देशों में होनी चाहिए और इसके लिए हम सभी को अभी से ही कार्यरत होना पड़ेगा |

उन्होंने अवसंरचना, सुविधाओं, अनुसन्धान, संचालन आदि क्षेत्रों के सुधार पर प्रकाश डाला तथा परिसर को पर्यावरण हितैषी बनाने की पहल की | **इस मिशन के अर्न्तगत आने वाले 30 दिनों में बिट्स के चारों परिसर में 16 सभा एवं फैकल्टी के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा** | इस अवसर पर पूर्व बिट्सियन श्री कृष राम चंद्रन, जो कि इस मिशन के लिए श्री बिरला के सलाहकार हैं, मुख्य वार्डन श्री एस. के. वर्मा, श्रीमती सुरेखा भानोत, श्रीमती कुसुम लता और अन्य कई प्रोफ़ेसर उपस्थित थे |

-सोनल

चुनाव आयोग से मुलाकात

चुनाव आयोग में पिछले तीन साल से कार्यरत आकाश ने ऑडी-रैग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे न सिर्फ उन्हें और जनता को उम्मीदवारों के घोषणापत्र के बिन्दुओं की वैधानिकता पर सवाल पूछने का मौका मिलता है बल्कि जनता के लिए श्रेष्ठ उम्मीदवार चुनना और भी आसान हो जाता है| चुनाव आयोग की पारदर्शिता के बारे में उन्होंने बताया कि उनके काम करने और जांच पड़ताल के तौर – तरीकों के मामले में जनता को कोई भी जानकारी देना गलत होगा पर हाँ, जहां तक फैसले लेने और उम्मीदवारों की गल्तियों पर उन्हें दंडित करने का सवाल है, जनता को सभी तरह की जानकारी दी जाती है|

जब उनसे पूछा गया कि यदि चुनाव आयोग का कोई सदस्य भ्रष्ट पाया गया तो वे क्या करेंगे? तो उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग में शामिल किये जाने से पहले छात्रों को एक कठिन जाँच प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है| इसलिए जनता चुनाव आयोग से अपेक्षा कर सकती है कि वे निष्ठापूर्वक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाहन करेंगे | उन्होंने अतीत के पन्नो में झाँकते हुए बताया कि किस प्रकार 2003 **में सभी भवनों में हर पद के लिए सिर्फ एक उम्मीदवार था और चुनाव आयोग ने दोबारा नामांकन दाखिल करवाए थे**| उसी साल बिट्स के इतिहास में **पहली बार** किसी **लड़की ने प्रेज़ का चुनाव जीता था**| विरोधी प्रचार के मुद्दे पर आकाश का कहना था कि यह गलत इसलिए है क्योंकि उम्मीदवारों को अपनी योग्यता के बल पर चुनाव जीतना चाहिए न कि दूसरों कि कमियों का नाजायज़ फायदा उठा कर | उन्होंने बताया कि इस बार सभी उम्मीदवारों को एक आधिकारिक ब्लॉग उपलब्ध कराया गया है ताकि जनता सीधे तौर पर उनसे सम्पर्क साध कर अपनी शंकाओं को दूर कर सके | अंत में उन्होंने कहा **कि हर किसी को खुश करना चुनाव आयोग के बस में नहीं है पर कोई भी फैसला सुनाने से पहले वह काफी सोच विचार करती है इसलिए जनता उनकी कर्तव्यनिष्ठा पर भरोसा कर सकती है|**

मेरी कलम से

सदस्य मंडली :-

संपादक :

प्रेम शंकर

लोकेश राज

सह-संपादक :

आलोक सोनी

ऋत्विक राज

विभु गोयनका

सौरभ कश्यप

गणेश

उज्जवल जैन

कुलदीप

संवाददाता :

किशन

विकल्प

हर्ष राज

नीतिश

निमिष

लोकेश जिंदल

शाश्वत

प्रीति

अर्पिता

सुरभि सिंह

सुरभि गुप्ता

सुगंधा

सोनल

निलय

रोहन महाजन

स्वाति

प्रतीक

नेहा मित्तल

आभार :

शैलेश झा

Blog Address:

www.hpc-bits.blogspot.com

प्रिय मित्रों,

आखिर इतनी सारी तपती हुई दोपहरों एवं जलती हुई सुबहों के बाद बारिश की फुहारों ने अल्पकाल के लिए ही सही ..पर अपने दिव्य दर्शन देकर हमें अभिभूत तो किया ही. . साथ ही गर्मी की बेतहाशा बढती हुई गति पर भी थोड़ा विराम लगाया है | पर उस गर्मी पर अभी अगले कुछ दिनों तक कोई विराम नहीं लगता दिख रहा, जो हमारे कैम्पस में राजनीति की अग्नि द्वारा बढाई जा रही है |

स्वागत है... बिट्स के चुनावी मैदान में..

यहाँ पर जनता भी आप हैं, नेतृत्व भी आप हैं एवं "बिग बॉस" भी आप ही हैं |

इस बार के चुनाव में अपने मित्रों को उम्मीदवारों के रूप में देखकर,चुनावी कशमकश को करीब से जानने का मौका मिला है | राजनीति के खेल वास्तव में निराले हैं | इसके दांव-पेचों में जब भी निजी रिश्ते उलझते हैं ..परिणाम बुरा ही निकलता है | हम बिट्स वाले वैसे भी जो भी करते हैं , पूरे जोश एवं जूनून से करते हैं | पर एक हद से ज्यादा जूनून भी सही नहीं | आखिर अपनी दोस्ती-यारी, पढ़ाई इत्यादि को दांव पर लगा कर कैसी राजनीति? शायद इसीलिए यहाँ पर इतने सख्त नियम हैं चुनाव प्रचार को लेकर जो कि अधिकांश को नहीं भाते हैं | चुनावों से पूर्व नित ही नए दोस्त बनते हैं, पुराने दोस्त पुनः अपना दोस्ताना जताने लगते हैं एवं कहीं पुरानी यारी में दरारें पड़ने लगती हैं | यह सही नहीं है | राजनीति का आधार तो विचार होते हैं | आपके और हमारे विचारों में असमानता हो सकती है, पर उससे हमारा निजी तारतम्य तो अप्रभावित रहना चाहिए | इसी प्रकार से दोस्ती या किसी भी प्रकार की जान पहचान हमारे मत को प्रभावित न करे, यही अपेक्षित है | इस बार अप्रत्याशित रूप से उम्मीदवारों की संख्या में बढोत्तरी हुई है | यह निश्चित रूप से अच्छी बात है की सिर्फ मूक दर्शक बनने के बजाये कुछ करने के लिए अधिक लोग आगे आये हैं, हालाँकि यह भी देखना है की अपने वादों एवं दावों पर आप खरे उतरें |

नए चेहरों को इस बार कथित रूप से रैगिंग से तो मुक्ति मिल गयी ..परन्तु उन्हें बिजली गुल होने की समस्या एवं स्वाइन फ्लू की अफवाहों का जो सामना करना पड़ा, वह भी कम नहीं था | सुबह सवेरे बिना बिजली के आँखें खोलना निश्चित रूप से अच्छी शुरुआत नहीं है, फिर भी हिंदी प्रेस क्लब सभी प्रथम वर्षियों का बिट्स पिलानी में हार्दिक स्वागत करता है एवं उनके सुखद भविष्य की कामना करता है |

भविष्य...कब वर्तमान बन जाता है पता ही नहीं चलता | खासकर जब आप बिट्स पिलानी में हों | तृतीय वर्ष में आते ही इस बात का एहसास होता है कि आपका आधा वक़्त निकल चुका है ...पलक झपकते ही.. सी.डी.सी के लिए कुख्यात यह वर्ष शायद बिट्स की ज़िन्दगी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अनुभव हो ऐसी आशा है |

खैर. इन्हीं आशाओं के साथ चल पड़े हैं हम और आप इस चुनावी मौसम में | आशा, कि इस बार तो कोई ऐसा होगा.. जो परिवर्तन की मंजिल तक न सही.. पर कुछ पडावों तक तो ले जायेगा, आशा, कि राजनीति का आधार सिर्फ अपनी खूबियाँ हों न की दूसरों की खामियां, आशा, कि यहाँ से निकले युवा देश के बारे मैं भी सोचते हुए कदम आगे बढ़ाएंगे...

जाहिर है... न ही दिल है छोटा सा, न ही छोटी है आशा

इसी बड़े दिल के साथ आप सभी अपने विवेक का प्रयोग करते हुए सही उम्मीदवार को चुने | यही आशा करता हूँ |

जय हो !!

लोकेश राज़

सभागार बहस

चुनावी हलचल की सबसे महत्त्वपूर्ण कड़ी निश्चित रूप से सभागार बहस (ऑडी डिबेट) होती है| इस बार की बहस 22 अगस्त 2009 को 7 बजे आरम्भ हुई और इसका आरम्भ सभी प्रत्याशियों के घोषणा-पत्र की प्रस्तुति से हुई | छात्र अध्यक्ष पद के उम्मीदवार सुधीर ने खुद को औसत बिट्सियन कह कर जनता का दिल जीत लिया और बदले में उन्हें तालियों की गड़गडाहट से नवाज़ा गया | स्मार्ट कार्ड के विषय में पूछे जाने पर सुधीर ने कहा की यह एक वैकल्पिक सुविधा होगी| इसमें विद्यार्थियों को 5,000 से 10,000 रुपये तक के इस्तेमाल की अनुमति होगी जिसके लिए उन्हें अपने अभिभावकों की अनुमति लेनी होगी | घुड़सवारी के सन्दर्भ में उन्होंने कहा की यह पूर्णतः आम जनता की माँग पर निर्भर करेगा| परंतु वे इसके बारे में पूर्णतः आश्वस्त नहीं लगे| वहीं दूसरी ओर इसी पद के दूसरे उम्मीदवार परवेन्द्र सिंह महला ने कहा कि "फ़ूड कोर्ट" के सम्बन्ध में उन्होंने गुप्ता असोसिएट प्राइवेट लिमिटेड से बात कर ली है पर उसका पूर्ण विवरण माँगने पर उन्होंने उसे सार्वजनिक करने से मना कर दिया|

छात्र महासचिव के पद के लिए खड़े हुए आलोक सोनी ने अपने द्वारा प्रस्तावित चाय-कॉफी वितरण मशीन को पूर्णतः स्वचालित डिजीटल मशीन बताया जिसका उपयोग 5 रूपये का सिक्का या टोकन के द्वारा किया जा सकेगा| पर्यावरण के अनुकूल बिजली से चलने वाली गाड़ी के बारे में उन्होंने कहा कि यह 14 सीटों वाला एक इलैक्ट्रिक वाहन है जिसका खर्च लगभग 7.6 लाख रूपये है| साथ में कुछ अन्य खर्च भी पड़ेंगे जिनका इंतजाम वे लोन एवं प्रायोजन के ज़रिये करेंगे| दवेंदर पुनिया द्वारा प्रस्तावित नृत्य-गायन कार्यशाला के विषय में उन्होंने कहा कि वे इसके लिए दिल्ली के कुछ नामी प्रशिक्षकों से बात कर चुके है जिनका हर हफ्ते आने का प्रस्ताव है|

राघव मिमानी ने कैम्पस के अन्दर नयी ए.टी.एम. सुविधा आरम्भ करने के बारे में बताया परन्तु चुनाव आयोग ने इसे कठिन बताते हुए कहा कि एस.बी.बी.जे. पिछले 3 वर्षों से पिलानी में यह सुविधा लाने के लिया प्रयासरत है परंतु सफल नहीं हो पाया है| "रिवर्स ओसमोसिस" के सम्बन्ध में उन्होंने कहा की इस प्रणाली से अत्यंत शुद्ध पानी उपलब्ध हो सकेगा जिसे कार्यान्वित करने में प्रतिव्यक्ति 0.90 रूपये प्रतिदिन का खर्च पड़ेगा| वहीं दूसरी ओर उन्होंने हर्बल कीटनाशक के उपयोग का प्रस्ताव रखा| मिमानी के उत्तरों में अच्छा आत्मविश्वास नज़र आया| अंत में सभी प्रतियाशियों ने अपने-अपने लिए वोट माँगे|

–प्रीति,सुरभि

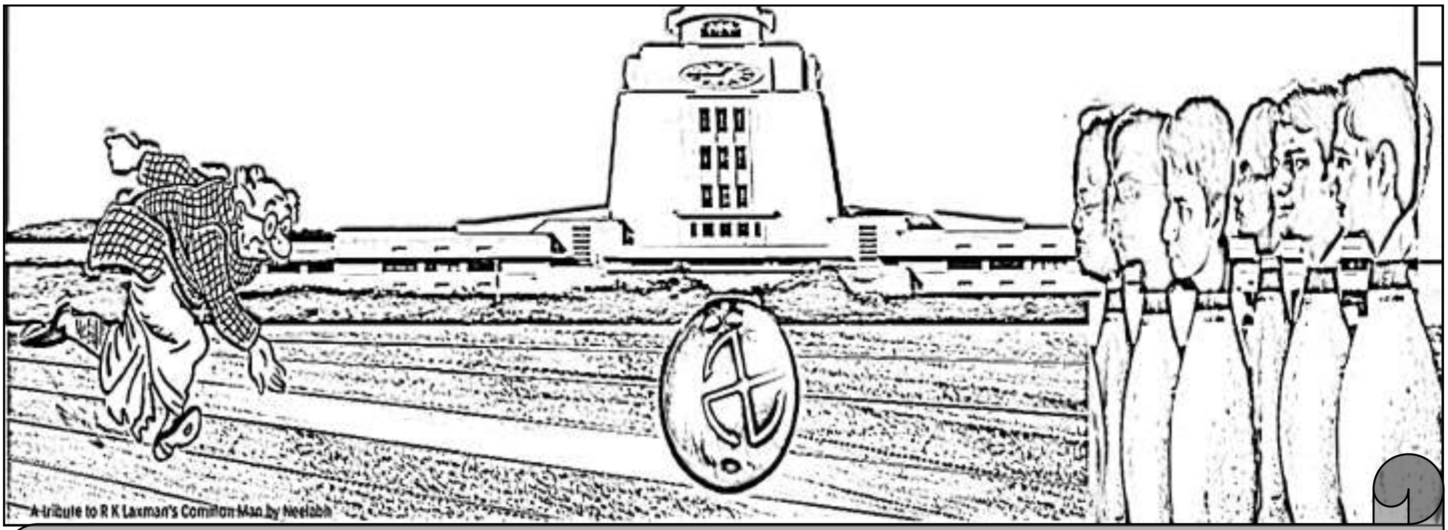

सी.आर.ए.सी. द्वारा राघव मिमानी के रिवर्स ओसमोसिस व दवेंदर पुनिया के बार कोडिंग मशीन की घोषणा-पत्र में उल्लेखित बिंदू को एस.यू. के अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया गया है|

चुनाव आयोग ने सूचना पट के माध्यम से यह बताया कि उपर्युक्त कथित दोनों बिन्दुएँ अभी भी घोषणा-पत्र में शामिल हैं|

महला से उनके शंकर भवन के प्रतिनिधि के कार्यकाल के दौरान एकत्रित पैसे के इस्तेमाल के विषय में पूछे गए प्रश्न के लिए चुनाव आयोग ने लिखित रूप में क्षमा माँगी और इसके लिए खेद व्यक्त किया|